

असाधारण

### **EXTRAORDINARY**

भाग II--खण्ड 3--उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

## PUBLISHED BY AUTHORITY

तं० 411] नई विल्ली, बृहस्पतिबार, सितम्बर 22, 1977/भाव 31, 1899

No 411] NEW DELHI, THURSDAY, SEPTEMBER 22, 1977/BHADRA 31, 1899

इस भाग में भिश्म पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह घलन संकलन के रूप में रक्षा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

# MINISTRY OF INDUSTRY (Department of Industrial Development) ORDER

New Delhi, the 22nd September 1977

- S.O. 683(E)/18FB/IDRA/77.—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Industrial Development) No. SO 549(E)/18FB/IDRA/75, dated the 27th September, 1975 (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), declared that—
- (a) the enactments specified in the Third Schedule to the said Act shall not apply to the industrial undertaking known as Messrs Ancillary Industries (Cranks) Private Limited, Calcutta; and
- (b) the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force to which the said industrial undertaking is a party or which may be applicable to it immediately before the date of publication of that Order in the Offical Gazette, and all the rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date, shall remain suspended upto the 26th September, 1976.

And whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No SO 637(E)/18FB/IDRA/76, dated the 24th September, 1976, the duration of the said Order was extended upto the 26th September, 1977;

And whereas the Central Government 15 satisfied that the said Order should be extended for a further period of one year,

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1), read with sub-section (2), of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Order upto and inclusive of the 26th September, 1978.

[No F. 2/30/75-CUC] G. N. MEHRA, Jt. Secy.

## उद्योग मत्रालय (ग्रौक्योगिक विकास विभाग)

#### म्रादेश

नई दिल्ली, 22 सितम्बर, 1977

का० ग्रा० 683(ग्र)/18 ख ल/उ० वि० वि० ग्र०/77.—भारत सरकार के भूतपूर्व उद्योग ग्रीर नागरिक पूर्ति मलालय (ग्रीद्योगिक विकास विभाग) के ग्रादेश स० ग्रा० का० 549 (ग्र); 18 एफ० बी०/ग्राई० डी० ग्रार० ए० 75, तारीख 27 सितम्बर, 1975 (जिसे इसमे ग्रागे उक्स ग्रादेश कहा गया है) द्वारा केन्द्रीय सरकार ने, उद्योग (विकास ग्रीर विनियमन) ग्रिधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 च ख की उपधारा (1) द्वारा प्रवस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बोषणा की थी कि —

- (क) उक्त म्राधिनियम की तृतीय भ्रनुसूची मे विनिर्दिष्ट म्राधिनियमितियां मैसर्स एन्सीलरी इण्डस्ट्रीज (केन्क्स) प्रा० लि०, कलकत्ता के नाम में, ज्ञात श्रीद्योगिक उपक्रम की लागू नहीं होंगी ।
- ,(ख) सभी सिवदायों, सम्पत्ति के हस्तान्तरण पद्मों, करारों, व्यवस्थापनों, पचाटों, स्थायी बादेशों या बन्य लिखतों का, जो प्रवृत्त हैं, प्रवर्तन जिसमें उक्त उपक्रम एक पक्षकार है, या जो उस बादेश के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के ठीक पूर्व लागू हो ब्रौर उक्त तारीख से पूर्व उसके बाधीन प्रोद्भृत या उद्भृत होने वाले सभी ब्राधिकारी, विशेषाधिकारी बाध्याताए ब्रौर दायित्व 26 सितम्बर, 1976 तक निलम्बित रहेंगे।

ग्रीर भारत सरकार के उद्योग मतालय (भौद्योगिक विकास निभाग) के भादेश संक का॰ ग्रा॰ 637(म्र) 18 च ख/उ॰ वि॰ वि॰ य॰/७६ तारीख 24 सितम्बर, 1976 द्वारा उक्त भादेश की भ्रवधि 26 सितम्बर, 1977 तक के लिए बढ़ा वी गई है;

भीर केन्द्रीय सरकार को समाधान हो गया है कि निलम्बन भादेश की भवधि एक वर्ष के लिए भीर अका दी जानी चाहिए ;

मतः, भव, केन्द्रीय सरकार उद्योग (विकास भीर विनियमन) मिधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 च ख की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त मिनियों का प्रयोग करते हुए, उक्त भादेश की भवधि 26 सितम्बर, 1978 तक, जिसमे यह तारीख भी सम्मिलित है, के लिए श्रीर बढ़ाती है।

[स॰ फा॰ 2/30, 75—सी॰ यू॰ सी॰] जी॰ एन॰ मेहरा, संयुक्त सिषव ।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मृद्रणालय, मिन्टो रांड, नई क्लिसी द्वारा मृद्रित तथा नियंत्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1977